भारतीय कंपनी सचिव संस्थान के 'नेशनल अवार्ड्स फॉर एक्सीलेंस इन कॉरपोरेट गवर्नेंस *2023*'

पुरस्कार वितरण समारोह में माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित पुरस्कार वितरण समारोह में आप सभी का अभिवादन करता हूँ।

आप सभी को नमस्कार और नए साल की बहुत बहुत शुभकामनाएं। कॉरपोरेट गवर्नेंस के क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने वाले प्रोफेशनल्स को सम्मानित करने के लिए आज हम सब यहाँ उपस्थित हुए हैं।

यह समारोह उन व्यक्तियों और संगठनों की प्रतिबद्धता और समर्पण को दर्शाता है, जिन्होंने कॉरपोरेट गवर्नेंस के क्षेत्र में उल्लेखनीय मानदंड स्थापित किए हैं।

आज जिन महानुभावों को कॉरपोरेट गवर्नेंस में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा रहा है उनको मेरी हार्दिक बधाई।

यह सम्मान उन व्यक्तियों और संगठनों की प्रतिबद्धता और समर्पण को मान्यता देता है, जिन्होंने कॉरपोरेट गवर्नेंस के क्षेत्र में उल्लेखनीय मानदंड स्थापित किए हैं।

कॉरपोरेट गवर्नेंस में उत्कृष्टता के लिए ICSI राष्ट्रीय पुरस्कार हमारे देश में एक विशेष स्थान रखते हैं क्योंकि वे कॉरपोरेट जगत में प्रतिबद्धता, पारदर्शिता और नैतिक आचरण के मानकों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

ICSI परिवार में लगभग 71000 सदस्य और करीब 2.5 लाख छात्र हैं। अपनी स्थापना के बाद से ही ICSI ने हमारे देश में कॉर्पोरेट कल्चर को समृद्ध बनाने का कार्य किया है। लाखों कंपनी सचिवों को एक स्टैन्डर्ड पर प्रशिक्षित कर आपने राष्ट्र का विकास सुनिश्चित किया है।

प्रिय साथियो, आज जब भारत के व्यावसायिक संस्थान देश के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ रहे हैं, देश की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही है, तो उसमें कंपनी सचिवों की भूमिका भी बढ़ रही है।

कंपनी सचिव हमारे देश के कॉर्पोरेट सेक्टर के व्यवस्थित संचालन और कंपनियों में सुशासन स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कंपनी में शासन प्रशासन को शासकीय नियमों के अनुसार चलाने में आपकी अहम भूमिका है।

यह वह समय है, जब हमारे देश की कंपनियां अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रहीं हैं। हमारे स्टार्ट अप्स यूनिकॉर्न में बदलकर वैश्विक कंपनियों से आगे निकल रहे हैं।

कृषि से लेकर चिकित्सा और शिक्षा तक आज हमारे संस्थान न सिर्फ देश को, बल्कि दुनिया को नए सोल्यूशन्स दे रहे हैं।

प्रिय साथियो , आज दुनिया चौथी औद्योगिक क्रांति यानि 'Industry-4.0' की साक्षी बन रही है। ऐसे समय में भारत की कंपनियां जितनी ग्रोथ करेंगी इस ग्रोथ में भारत भी उतना ही ग्रोथ करेगा और इसमें आईसीएसआई जैसे संस्थान और यहाँ के प्रोफेशनल्स की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

भारत आज दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। बड़ी वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत पिछले कुछ वर्षों में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

आज के समय में, पूरे विश्व की नजर भारत पर है। भारत के तेज विकास, भारत की तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था और भारत की मजबूत होती अंतरराष्ट्रीय छवि के बीच, दुनिया हमें बहुत उम्मीदों से देख रही है।

आज देश में 15 लाख से अधिक स्टार्ट अप और 1 हजार से अधिक बड़ी बड़ी अंतर्राष्ट्रीय यूनिकॉर्न कंपनियां एक्टिव हैं। 110 बड़ी कंपनियां भारत में अपने मन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाना चाहती हैं, भारत में इन्वेस्ट करना चाहती हैं। आज भारत दुनिया का सबसे आकर्षक इंवेस्टमेंट डेस्टिनेशन है।

आज भारत, दुनिया के सबसे कम कॉरपोरेट टैक्स वाले देशों में से एक है। सरकार ने Taxation process को सरल बनाया है। बीते कुछ वर्षों में सरकार ने 30 हजार से ज्यादा Compliances को समाप्त किया है,1500 से ज्यादा पुराने क़ानूनों को समाप्त किया है, कंपनीज एक्ट के अनेक प्रावधानों को Decriminalize किया है, ताकि हमारी कंपनियों के सामने सभी अवरोध समाप्त हों और वे नई ऊंचाईयां प्राप्त करें। ऐसे में ICSI जैसे संस्थान की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है।

लगभग हर एक इंडस्ट्री के पारंपरिक उद्योग एवं व्यापार से आगे बढ़कर अब हम हाई टेक्नॉलजी सेक्टर में भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। मैं समझता हूँ कि जैसे - जैसे भारत reform के रास्ते पर आगे बढ़ेगा, आपके लिए और ज्यादा नए अवसर तैयार होते जाएंगे, और इसके साथ ही देश के विकास में आपकी भूमिका भी अधिक बढ़ती जाएगी।

हम कंपनी के साथ उसके कर्मचारियों को और उपभोक्ता के हितों को देखते हुए किस तरह अपना सर्वश्रेष्ठ दें। हमारा कार्य इस तरह से होना चाहिए कि हम सूक्ष्म और लघु उद्यमों को मध्यम उद्यमों में बदल सकें और माध्यम उद्यमों को और आगे लेकर जा सकें।

आज देश में हर दिन में 80 से ज्यादा स्टार्ट अप्स तैयार हो रहे हैं। ये स्टार्ट अप्स यूनिकॉर्न बनने की दिशा में आगे बढ़ें, यही हमारा प्रयास होना चाहिए।

वर्ष 2030 तक भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

प्रिय साथियो, आज प्रौद्योगिकी का युग है। जीवन के हर क्षेत्र में आज प्रौद्योगिकी की भूमिका बढ़ रही है।

वित्तीय प्रबंधन और कंपनी संचालन में भी प्रौद्योगिकी के चलते कई बदलाव आए हैं । इससे अर्थव्यवस्था में नए अवसर भी उत्पन्न हो रहे हैं।

मुझे विश्वास है कि ICSI कॉर्पोरेट जगत में आगे बढ़ती तकनीकी के साथ अपने शिक्षण-प्रशिक्षण को भी उन्नत बना रहा है।

निश्चय ही आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग हमारे सामने एक चुनौती भी है, और अवसर भी है। इस समय में हम किस तरह से अपने संस्थान की प्रासंगिकता को आगे बढ़ाएं और देश व समाज को आगे लेकर जाएं; इस दिशा में हमें एक साथ विचार करना है।

देश में जिस गति से कंपनियों का मुनाफा बढ़ें, उसी रफ्तार से हमारी अर्थव्यवस्था और हमारा देश आगे बढ़ेगा। हम ईमानदारी के साथ कभी समझौता ना करें; और जहां हमें जिम्मेदारी मिले, वहाँ सिस्टम को अधिक ट्रैन्स्पैरन्ट (पारदर्शी) और विश्वसनीय बनाएं; यह हमारा प्रयास होना चाहिए।

देश की आजादी के बाद इन 75 वर्षों में ICSI ने हमारे देश की सामाजिक-आर्थिक प्रगति में सार्थक योगदान दिया है। मुझे प्रसन्नता है कि अब ICSI के विश्व के अन्य देशों में भी अपनी पहुँच बना रहा है।

ICSI ने अपनी प्रतिबद्धता के माध्यम से ऐसे पेशेवरों को तैयार किया है, जो न केवल तकनीकी विशेषज्ञता से लैस हैं बल्कि उनमें नैतिक मूल्यों का भी समावेश है।

मुझे आशा है कि ICSI 'राइजिंग टू एक्सीलेंस' की थीम के साथ सदैव उत्कृष्टता की तरफ बढ़ते हुए नए मानक स्थापित करेगा। आप सबको मेरी अनेक शुभकामनाएं।

जय हिन्द! जय भारत!